ऐसो दातार | by Mukesh Bagda

ऐसो दातार कठे देख्यो ना सुण्यो जी
शरण पडचा को बाबा काम बनावे जी
आने जो ध्यावे वो तो मौज उड़ावे जी
ऐसो दातार कठे देख्यो ना सुण्यो जी

निज भगतां पर भीड़ पड़े तो
झट से उबारे म्हारो श्याम धणी
दर आये की आस पुरावे
दर पे जो लेके आवे आस घणी
ऐसो दातार कठे देख्यो ना सुण्यो जी

आधणिया ने आंख्या देवे
पांगलिया ने देवे टांगड़ली
निरधनियाँ ने दौलत देवे
बेटो पावे थे बांझणली
ऐसो दातार कठे देख्यो ना सुण्यो जी

बिन बोल्यां ही निज भगतां की
पीर पिछाणै म्हारो सांवरियो
हर्ष सुमिर ले कानहुडे ने
घर भर देसी तेरी नटवरियो
ऐसो दातार कठे देख्यो ना सुण्यो जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%90%e0%a4%b8%e0%a5%8b-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-mukesh-bagda/